ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–२३
दिनांक- मंगलवार, २१ मार्च, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 24.7 एवं 17.7 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.3 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 0.3 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.4 एवं दोपहर में 27.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के कुछ स्थानों पर तेज हवा के साथ वर्षा हुई है। इस अवधि में 18.0 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(22–26 मार्च, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 22–26 मार्च, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के अधिकांश स्थानों पर गरज वाले बादल छाये रह सकते हैं। आज 21 मार्च शाम से अगले 12–24 घंटों तक 1–2 स्थानों पर हल्की वर्षा या बुंदा–बूंदी हो सकती है। उसके बाद मौसम साफ तथा मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है।
- इस अवधि मे अधिकतम तापमान 27 से 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान 16 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है। 25–26 मार्च को पुरवा हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अधिकांश जिलों में अब मौसम साफ रहने की संभावना है। अतः किसान सरसों की कटनी तथा सुखाने के काम को उच्च प्राथमिकता देकर सम्पन्न कर लें। हालाकि जिन जिलों में पिछले एक–दो दिनों में वर्षा अधिक हुई है और खेतों में जल जमाव की स्थिति हो गयी है उस खेत से वर्षा का पानी निकलने की उचित व्वस्था करे।
- बेमौसम आकस्मिक बारिश की वजह से चने की फसल में होने वाले क्षति को कम करने के लिए किसान भाईयों को सलाह दी जाती है कि जिन खेतों में पानी का जमाव हो गया है उसमें यथाशीघ्र जलनिकासी की व्यवस्था करें। इसके साथ ही साथ जिनकी चने की फसल लगभग पक चुकी है या फलियां पीली सुनहरी हो गई है तत्पश्चात पानी में डूब गई है वो कृपया फसल को काट कर सुखी जगह पर फैलाकर उसे सुखाने की व्यवस्था करें। पौधों को बोझों में बांधकर न रखें इससे उसमे अंकुरण क्षमता का ह्रास हो सकता है। जिनके खेत में फसल अधपकी या अन्य अवस्था में है वो जल जमाव न होने दे।
- पिछले दो–तीन दिनों में कुछ स्थानों पर अधिक वर्षा होने के वजह से जिस खेतों में पानी का जमाव की स्थिति हो उस खेत से पानी निकालने की उचित व्वस्था करें तथा एक–दो दिन के बाद गरमा सब्जी की बुआई तुरंत अबिलंब करें। लौकी की अर्का बहार, काशी कोमल, काशी गंगा, काशी किरन, पूसा समर, पूसा नवीन किस्मों की बुआई करें। तरबूज की अर्का मानिक, दुर्गापुर मधु, सुगरबेली, अर्का ज्योती (संकर) तथा खरबूज की अर्का जीत, अर्का राजहंस, पूसा शर्बती किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुसंषित है। नेनुआ की पूसा चिकनी, पूसा सुप्रिया, करैला की अर्का हरित, काशी उर्वषी, पूसा विशेष, कायमबटूर लॉग की बुआई करें। खेत की जुताई में 20–25 टन गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 50 किलोग्राम फॉसफोरस, 40 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक 0.5 किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75X75 से0 मी0 रखें। 0.5 किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर 80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। बुआई से पूर्व प्रति गड्ढ़ा 3 किलोग्राम सड़ी हुई गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम युरिया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेशियम सल्फेट का व्यवहार करे। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में 10–15 मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सके तथा अच्छी उपज प्राप्त हो सके।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई करें। बुआई के पूर्व 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30X10 से0मी0 रखें।
- इन दिनों आम के बगीचों में मंजर पूरी तरह आ चुका है। किसान भाई आम में मंजर वाली अवस्था से फल के मटर के दाने के बराबर होने की अवस्था के मध्य किसी प्रकार का कोई भी कृषि रसायण का प्रयोग नही करे। विकृत दिखने वाले मंजर को तोडकर बाग से बाहर ले जाकर जला दें अथवा जमीन में गाड़ दें।

आज का अधिकतम तापमानः 24.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 18.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)